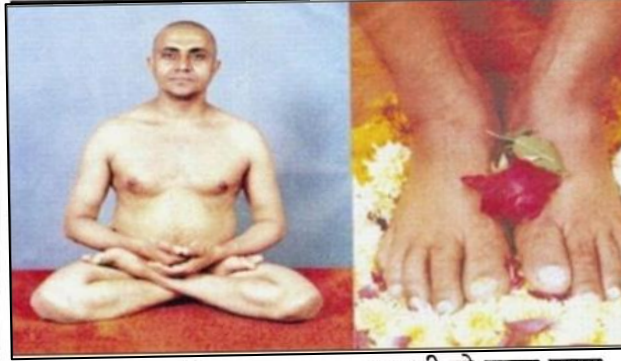
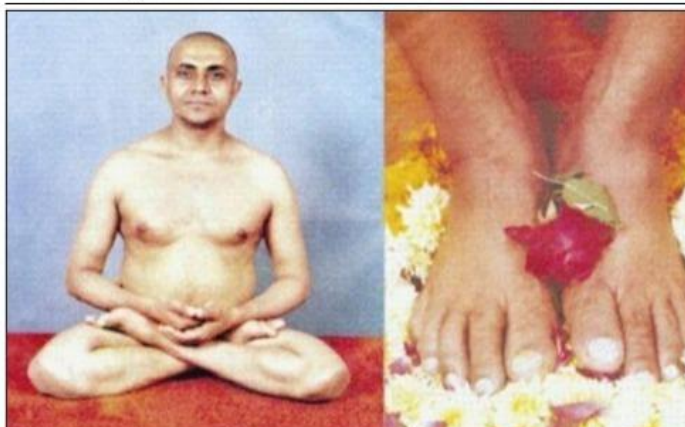


● प३यो = परमयोग - पप्र - परमयोग = प प प यो ● 4PL - 1950.01.14 ● 1

<p>● परमजी = प३यो - का - प 1</p>	<p>● पप्र = प३यो - का - प 2</p>	<p>● परमयोग = प३यो - का - प३ - यो</p>
 <p>परमजी परमजी के पावन चरण</p>	<ol style="list-style-type: none"> परमं शरणं गच्छामि। हंसं शरणं गच्छामि। अद्वैतं शरणं गच्छामि। आनन्दं शरणं गच्छामि। चरणं शरणं गच्छामि। हे परमजी मुझ पर कृपा करो सिर झुकाकर, परमजी को नमस्कार करता हूँ आज मुझे मानसिक शान्ति दो। इच्छा पूर्ण होते ही - पकर में 1- पैसा परमजी को दूंगा। इच्छा पूर्ण होते ही पकर में 1- नये व्यक्ति को P३Y सिखाऊंगा। 	<ol style="list-style-type: none"> परम स्वास - 1 से 10 1.1 मुँह से नाक से 1.2 करो - 1 से 10 - अपनी आवश्यकतानुसार, अपने ऑफिस में करो, यदि आपकी ऑफिस केवल बौद्धिक काम पर आधारित हो। परमनाद - 1 से 10 2.1 मुँह से नाक से 2.2 करो - 1 से 10 - अपनी आवश्यकतानुसार। एक बैठक में - 10 से ज्यादा परमनाद नहीं करो। 3 P३Y मानसिक शान्ति और समृद्धि देता है।
<p>1. P३Y का अर्थ = परमजी - पप्र - परम - योग = प प प यो प३ - प२ - प३ - यो</p>	<p>↑ पप्र समाप्त</p>	<p>3.1 P३Y साथ देता है तथा काम आता है - जब अधिकतम साधन असफल होते हैं।</p>
<p>प 1. परमजी और उनकी अदृश्य, पावन शक्ति - इस पूर्ण व्यवस्था की आत्मा है। प 2. पप्र शरीर है। इच्छाएँ पूर्ण होती हैं। विपत्ति विलीन होती है। प 3. परमयोग मन है। मन की शान्ति मिलती है। ● प३यो - P३Y - पूर्ण व्यवस्था है। व्यवस्था की सुरक्षा से सभी मिलता है।</p>	<p>9. आज मुझे मानसिक शान्ति दो।</p> <p>● इसकी जगह, अपनी आवश्यकतानुसार एक इच्छा बोले ● या - पप्रवा - 9th - पुस्तक के अनुसार बोले।</p> <p>↑ पप्र का वाक्य - 1,2,3,4,5,6,7,8,</p>	<p>3.2 असहाय - अवस्था → SOS → में ही, जब जब आपको लंगता है कि आप (1) अनिश्चित हैं (2) असुरक्षित हैं (3) असहाय हैं (4) इत्यादि... तक → P३Y करो।</p> <p>3.3 जब जब, जहाँ जहाँ, जिस जिस अवस्था में - आपका अपना (1) बुद्धिबल (2) मन बल (3) बाहु बल (4) धन बल (5) जन बल (6) श्रोत्र, पहुँच इत्यादि (7) तंत्र - मंत्र - यंत्र इत्यादि का बल (8) भाग्य, प्रारब्ध, कर्म, इत्यादि - असफल रहे - वहाँ → P३Y करो।</p>
<ol style="list-style-type: none"> चीनी खाओ। मिठास का अनुभव लो। P३Y करो • P३Y से होने वाले सुख का अनुभव लो। मिठास का अनुभव, तर्क - वितर्क से नहीं होता है। P३Y से होने वाले सुख का अनुभव भी तर्क - वितर्क से नहीं होता है। P३Y - प३यो सीखने तथा सिखाने में (1) मुँह (2) कान (3) मन का प्रयोग करो। P३Y - प३यो - करने में • प३यो मन ही मन करो। यदि मन ही मन नहीं कर सकते हो - तो मुँह से न्यूनतम आवाज में P३Y - प३यो करो। 	<p>9A आज के भोजन, पानी, दूध, चाय, फल इत्यादि में अपनी शक्ति दो, मेरे शरीर का अधिकतम रोग कम हो जाये मैं निरोग व स्वस्थ हो जाऊँ।</p> <p>10. 1-पैसा = निश्चित नगद ● 1-रुपया, 1-करोर : 1 - मिलियन ... इत्यादि।</p> <p>11. 1-नया व्यक्ति = नया व्यक्ति का निश्चित संख्या ● 1-॥-नये व्यक्ति : 1-कक्षा - ॥ - कक्षाएँ इत्यादि।</p>	<p>3.4 परम योग सीखो तथा करो। पप्र भी करो - P३Y करो।</p> <p>3.5 जब, थोड़ी भी मानसिक शान्ति मिले या एक भी इच्छा पूर्ण हो या एक भी समस्या तुलझे -</p> <p>3.6 तब परमजी - पप्र - परम योग = P३Y में पूर्ण निष्ठा - अधिकतम निष्ठा रखो।</p> <p>3.7 तब - पप्रवा - 10th का नगद तथा परमजी के लिये दिया गया अन्य नगद - जैसे - (1) आपके द्वारा दिया गया (2) अन्य प३यो कर्ता द्वारा आपको दिया गया (3) प३यो सम्मेलन, तथा इत्यादि में, आपके द्वारा इकट्ठा किया गया। (1) परमजी की व्यवस्था में अवश्य पहुँचाओ। (2) P३Y Act, प३यो विधि के अनुसार संचर करो।</p>
<p>PUSHPINDRA MAHAJAN : 01892-222523, 94180-12523, 70181-57138, 98162-93066, 81461-44990 फोन नहीं करो - रात्रि 9 बजे से - प्रातः 7 बजे तक</p>		

English

● P३Y = Paramji - Papr - Param Yog = PPPY ● 4PL - 1950.01.14 ● 1

<p>● Paramji, Alias His Holiness = P1 - of - P३Y</p>	<p>● Papr = P2 - of - P३Y</p>	<p>● Param Yog = P3 - Y - of - P३Y</p>
 <p>Paramji Alias His Holiness Holy Feet of Paramji</p>	<ol style="list-style-type: none"> Paramam Sarnam Gachami Hansam Sarnam Gachami Adwaitam Sarnam Gachami Anandam Sarnam Gachami Charanam Sarnam Gachami Hey Paramji. Mujh Par Kripa Karo. Sir Jhukakar Paramji Ko Namaskar Karta Hoon. Today give me mental peace. As soon as my desire is fulfilled, In Pakar - I will give - 1- Paisa → to - Paramji, Alias His Holiness As soon as my desire is fulfilled, in Pakar - I will explain P३Y to - 1 - New Person 	<ol style="list-style-type: none"> Param Svas = 1 - TO - 10 1.1 Use Mouth → Nostrils 1.2 Do 1 - TO - 10, according to your necessity during Office hours, if your office solely depends on Brain work. Param Nad = 1 - TO - 10 2.1 Use Mouth → Nostrils 2.2 Do 1 - TO - 10, according to your necessity do not do, more than 10 - times in one sitting. 3. P३Y brings Mental Peace & Prosperity. 3.1 P३Y stands and helps - When maximum items fail. 3.2 Do P३Y in SOS Only - When you feel (1) Uncertain (2) Unsafe (3) Helpless etc.. 3.3 Do P३Y → Whenever, Wherever & in Whichever situation (1) Intellectual Power (2) Mental Power (3) Physical Power (4) Money Power (5) Men Power (6) Sources, Approaches etc. (7) Spiritual Power of Tantr, Mantr, Yantr etc. (8) Fate, Luck, Karm, etc. fail. 3.4 Learn Param Yog and Practice it, also do Papr in brief: Do P३Y. 3.5 When even little Mental peace is experienced. Or even one desire is fulfilled or even one problem is solved. 3.6 Then be adherent loyal to Paramji - Papr - Param Yog = PPPY = P३Y 3.7 Then - Cash of Paprva - 10th and other cash given for Paramji.
<p>1. P३Y means = Paramji = $\frac{\text{Paramji}}{P_1} - \frac{\text{Papr}}{P_2} - \frac{\text{Param}}{P_3} - \frac{\text{Yog}}{Y} = \text{PPPY}$.</p> <p>P1. Paramji, Alias His Holiness and his invisible, Holy Power - is the Soul of this complete system.</p> <p>P2. Papr is Body, Desires are fulfilled. Calamities are cancelled.</p> <p>P3. Param Yog is Mind. Mental Peace is procured.</p> <p>● P३Y is a complete system. Protect it to procure all.</p> <p>2. Eat Sugar, Experience the sweetness.</p> <p>3. Do P३Y ● Experience the happiness, resulting from P३Y.</p> <p>4. Sweetness of Sugar cannot be discussed.</p> <p>5. Happiness resulting from P३Y cannot be discussed.</p> <p>6. In learning and Teaching P३Y ● Use (1) Mouth (2) Ear (3) Mind.</p> <p>7. In doing P३Y ● Do P३Y Mentally. If you cannot do mentally then do P३Y verbally at very slow voice.</p> <p>CONTACT: Pushpindra Mahajan - 94180 - 12523, 70181 - 57138, 98162 - 93066 NOTE: DON'T CALL - BETWEEN: 9 PM - 7 AM</p>	<p>↑ Papr Ends ↑</p> <p>9. Today give me mental peace</p> <p>● Substitute - it by one desire according to your own necessity.</p> <p>● Or according to Book: Paparva - 9th.</p> <p>↑ Papr Sentence - 1,2,3,4,5,6,7,8.</p> <p>9A. Empower today's food, water, milk, tea, fruits etc. may the maximum disease of my body be cured, I may become healthy.</p> <p>10. 1 - Paisa = Exact Cash</p> <p>11. 1 - New Person = Exact Number of New Person.</p>	<p>The money given by you or others in P३Y must be spent according to P३Y ACT.</p>